

हिसार-हांसी भूमि

रोहतक, रविवार 6 सितंबर 2026

11 श्री श्याम मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण...



12 गुरुकुल शिक्षा ही संस्कारवान समाज व राष्ट्र निर्माण का...



खबर संक्षेप

ऑनलाइन ठगी, पीड़ित को वापस दिए 90 हजार हिसार। टेलीग्राम पर घर बैठे ऑनलाइन पैसे कमाने का झांसा देकर ठगी गई 90 हजार रुपये की रकम थाना आदमपुर के साइबर क्राइम पुलिसकर्मियों ने पीड़ित को वापस दिलवाई है। भाणा निवासी अजय भादू को टेलीग्राम पर घर बैठे ऑनलाइन पैसे कमाने से संबंधित एक टास्क का विज्ञापन दिखाई दिया था। विज्ञापन में दिए गए लिंक पर क्लिक करने के बाद साइबर ठगी ने ऑनलाइन चैट के माध्यम से उसे टास्क पूरा कर पैसे कमाने का झांसा दिया। आरोपियों के कहने पर अजय ने इस वर्ष 13 अप्रैल को उनके बताए बैंक खाते में अपने खाते से 90 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। उसने कथित मुनाफे की राशि के बारे में आरोपियों से संपर्क किया तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करवाई।

अवैध पिस्तौल व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार हिसार। सीआईए बरवाला की टीम ने रायपुर रोड रेलवे फाटक के पास एक युवक को 315 बोर के अवैध पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। सीआईए बरवाला प्रभारी उप निरीक्षक प्रदीप के अनुसार मुख्य सिपाही सुरेंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी अवैध हथियार की सूचना पर टीम ने रायपुर रोड रेलवे फाटक के पास घूम रहे संधिध व्यक्ति को काबू कर तलाशी ली तो उससे 315 बोर का अवैध पिस्तौल और कारतूस बरामद हुआ। आरोपी की पहचान विनोद नगर निवासी रामस्वरूप उर्फ गुठलिया के रूप में हुई है।

कैंट के पास ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार व्यक्ति की जान गई, बेटा घायल

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

कैंट क्षेत्र के पास तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब पिता-पुत्र गांव मयूड स्थित भारत गैस एजेंसी से केवाईसी करवाकर एक्टिव पर वापस अपने घर लौट रहे थे। पीछे से आए ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सड़क पर गिरे वेदपाल के ऊपर से ट्रक का पहिया गुजर गया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। सदर थाना पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी देगी फीस में छूट व फेलोशिप हकृवि के विद्यार्थियों को मिलेंगे अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के नए अवसर

■ दोनों विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग बढ़ाने पर जोर
हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के विद्यार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नए अवसर खुलने जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी द्वारा भारत के ग्रेटर नोएडा में अपना कैंपस शुरू किया जा रहा है। इसी सिलसिले में विश्वविद्यालयों के ग्लोबल पार्टनरशिप्स एंड ट्रांसनेशनल एजुकेशन की प्रो-वाइस चान्सलर डॉ. निकोलोनी मरडोक ने हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात की। इस दौरान दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग की और मजबूत करने उपलब्ध विद्यार्थियों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने पर विस्तार से चर्चा हुई।



ग्रेटर नोएडा स्थित प्रस्तावित कैंपस में एमबीए, एमएससी शुरू करने की योजना

डॉ. निकोलोनी मरडोक ने बताया कि ग्रेटर नोएडा स्थित प्रस्तावित कैंपस में मुख्य रूप से एमबीए तथा मास्टर ऑफ साइंस (सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट) जैसे कार्यक्रम शुरू किए जाने की योजना है। उन्होंने हकृवि विद्यार्थियों के लिए फीस में छूट और फेलोशिप के अवसर उपलब्ध कराने के प्रति वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने हकृवि में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक संसाधनों की सराहना की। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हकृवि की समृद्ध कृषि अनुसंधान विरासत और वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के वैश्विक शैक्षणिक एवं अनुसंधान संसाधनों के बीच बेहतर तालमेल से विद्यार्थियों की कृषि क्षेत्र की बदलती वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में मदद मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय मामलों की प्रमारी डॉ. आशा कवात्रा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि हकृवि और वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के बीच साझेदारी विद्यार्थियों के लिए लगातार नए और उपयोगी अवसर सृजित कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं शिक्षक सहित डॉ. सरोज यादव, डॉ. दर्शना, डॉ. नवीन कौशिक और डॉ. मंजूजा उपस्थित रहे।

मलिक चौक के पास कचरा उठाने गई गाड़ी के शीशे तोड़े, चालक को पीटा; वर्दी फाड़ी

■ नगरपालिका कर्मचारी संघ के हड़ताल रही जारी
■ 20-25 लोगों ने किया हंगामा, गाड़ी की चाबी और दस्तावेज छीनने का आरोप
हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

शहर में लंबे समय से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। शनिवार को मलिक चौक के पास कचरा उठाने गई गाड़ी को कथित तौर पर 20 से 25 लोगों ने घेर लिया और चालक के साथ मारपीट कर गाड़ी में तोड़फोड़ की। आरोप है कि हमलावरों ने ईट-पत्थर मारकर गाड़ी के शीशे तोड़ दिए और चालक को जबरन नीचे उतारकर पीटा। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कई लोग कचरा कलेक्शन वाहन को घेरते दिखाई दे रहे हैं। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में नगर पालिका कर्मचारी संघ का नेता सुरेंद्र भी मौके पर पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने कचरा उठाने वाली गाड़ी के चालक को धमकाया। हालांकि, पूरे मामले की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। उधर, अर्बन एस्टेट परिया में भी एजेंसी की गाड़ी के शीशे तोड़ने की सूचना है। शनिवार को एजेंसी की पांच गाड़ियों के टायर पंचर कर दिए गए।



पुलिस को यह दी शिकायत

पीड़ित चालक ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह पारिजात चौक से कचरा उठाने वाली गाड़ी लेकर अपने निधारित रूप पर निकला था। मलिक चौक के पास पहुंचते ही करीब 20 से 25 लोग करीब 15 मीटरसाइकिलों पर सवार होकर वहां पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और गाड़ी पर ईट-पत्थर बरसाकर उसका शीशा तोड़ दिया। इसके बाद कुछ लोगों ने गाड़ी की खिड़की खोलकर चालक को नीचे

उतार लिया और उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसके कपड़े भी फाड़ दिए गए। चालक का आरोप है कि हमलावरों ने उसे धमकी दी कि यदि उसने कचरा उठाने का काम बंद नहीं किया तो उसके लिए अच्छा नहीं होगा। इतना ही नहीं, गाड़ी के दस्तावेज और चाबी भी छीनकर ले जाने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित कर्मचारी ने घटना के बाद स्थिति अस्पताल पहुंचकर एम्बुलेंस और कटवाली और पुलिस को अपने बयान दर्ज करवाया।

एजेंसी की गाड़ियों को किया पंचर

ऋषि नगर और सेक्टर-13 से भी कचरा कलेक्शन के लिए पहुंची गाड़ियों में तोड़फोड़ किए जाने की तस्वीरें सामने आई हैं। आरोप है कि कुछ गाड़ियों के टायरों में सुए घोपकर उन्हें पंचर किया गया। नगर निगम की टीम इन घटनाओं में हुए नुकसान का आकलन कर रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद निगम अधिकारी अमित कौशिक

सहित अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। बाद में क्षतिग्रस्त कचरा कलेक्शन वाहन को केन की मदद से थाने ले जाया गया। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है और घटनाक्रम में शामिल लोगों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

करीब 60 गाड़ियां डोर टू टोर कचरा कलेक्शन करने पहुंची

नगर पालिका कर्मचारी संघ की हड़ताल के 31वें दिन शनिवार को निगम प्रशासन ने डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 60 गाड़ियां भेजीं। पुलिस के पहरों में शनिवार को नगर निगम की कारवायों के दौरान शहर के 10 वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया गया। इस दौरान जोन वन के एक से चार वार्ड 9 से कचरा कलेक्शन किया गया वहीं जोन टू से 11 से 15 वार्ड से कचरा कलेक्शन किया गया। इस प्रकार जोन वन में 23 गाड़ियां व जोन टू में 34 गाड़ियां कचरा कलेक्शन के लिए चलाई गईं। इस दौरान कैमरी से 4 जोनवी प्वाइंटों से कचरे का उठान किया गया।

काम पर नहीं लौटे कर्मचारी

हड़ताली कर्मचारियों को सरकार की ओर से दिए गए नोटिस की अवधि समाप्त हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद हड़ताली कर्मचारी अभी तक काम पर वापस नहीं लौटे हैं। हड़ताली कर्मचारियों ने कहा कि वे सरकार के नोटिस से डरने वाले नहीं हैं। जब तक मांगें पूरी नहीं हो जाती वे काम पर नहीं लौटेंगे।

मंत्री के आवास पर प्रदर्शन आज

नारनौद। अग्निशमन व नगर पालिका के कर्मचारी शनिवार को 31वें दिन भी हड़ताल पर रहे। धरने की अध्यक्षता रेणु बाला व राजबीर खेड़ी ने की व मंच संचालन नसीम बागड़ी ने किया। धरने पर ही सरकार के वायदाखिलाफी, फायर के कर्मचारियों के सरपेंड व सेवा समाप्त करने और नगर पालिका के कर्मचारियों को पांच सितंबर तक झुट्टी पर आने के नोटिस के विरोध में नगर पालिका के गेट के सामने आदर्शों की प्रतियां जलाई गईं। फायर राज्य उप महासचिव देवेन्द्र लोहान, इकाई प्रधान मनसाराम ने बताया कि 6 सितंबर को कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा के आवास पर प्रदर्शन किया जाएगा और मंत्री से सवाल पूछा जाएगा कि आप 13 मई के समझौते को लागू क्यों नहीं कर रहे, कच्चे कर्मचारियों को पक्का क्यों नहीं कर रहे, ठेकेदारी प्रथा बंद क्यों नहीं की जा रही। जसबीर श्योकंद व नरेश कुमार ने आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारियों की मांगों को पूरा न करने की बजाय पुलिस से दमनकारी नीति अपना रहे हैं। इस अवसर पर कुलदीप, राजवीर, सुंदर संजय पानू, दीपक, रणधीर कापड़ों, कृष्ण कुमार, रमेश कुमार, राजवीर, सुंदर, कमलेश, रेनु बाला, सुभाष आदि मौजूद रहे। सफाई कर्मियों और फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की मांगों को लेकर चल रही हड़ताल को नव युवा जागृति मंच ने समर्थन दिया। इस अवसर पर कपिल शर्मा, हरिओम शर्मा, रुद्राक्ष गौतम, अजमेर राणा, जोगिंद्र बास, राजेश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

युवक पर ईट से हमले के मुख्य आरोपी को 2 साल व दो को 2-2 माह की कैद

हिसार। अदालत ने युवक के सिर पर ईट से हमला कर घायल करने के मामले में तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। अदालत ने मुख्य आरोपी सुमित को धारा 325 के तहत दोषी मानते हुए दो साल की कैद और एक हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। वहीं आरोपी पंकज उर्फ मानू और शक्ति सिंह को दो-दो महीने की कैद की सजा सुनाई गई। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता गौरव नैन ने बताया कि पुलिस जांच के दौरान शुरुआत में पंकज और शक्ति सिंह को मामले से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद कोर्ट के माध्यम से दोनों के खिलाफ समन जारी करवाकर उन्हें जांच में शामिल कराया गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों को भी मामले में दोषी माना। पुलिस ने नवंबर 2017 में इस संबंध में केस दर्ज किया था। आजाद नगर निवासी राजेश ने बताया था कि 12 नवंबर 2017 को वह शादी समारोह से हिसार लौट रहा था। तभी उसकी पहचान की मंजू ने फोन कर उसे ज़िंदल चौक पर बुलाया। शाम सात बजे राजेश वहां पहुंचा तो मंजू, उसका भाई तुषार और सुमित आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी तीनों में विवाद हो गया। राजेश बीच-बचाव करने लगा तो सुमित ने उसके सिर में ईट मार दी। सुमित के दो अन्य साथियों ने भी राजेश से मारपीट की। सूचना मिलने पर डील-112 की टीम मौके पर पहुंची। आरोपियों ने राजेश को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए।

2.59 लाख रुपये की ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

हांसी। ऑनलाइन ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 2.59 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना हांसी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान महाराष्ट्र के नागपुर निवासी सौरभ सुभाष कर्णवार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 10 हजार रुपये बरामद किए हैं। नारनौद क्षेत्र निवासी विशाल ने शिकायत दी थी कि अगस्त 2025 में टेलीग्राम पर एक व्यक्ति ने उससे संपर्क किया और घर बैठे ऑनलाइन ट्रेडिंग कर अच्छा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। आरोपी के कहने पर शिकायतकर्ता ने ट्रेडिंग अकाउंट बनाया और निवेश करना शुरू कर दिया। आरोपी के कहने पर उसने कई किस्तों में कुल 2 लाख 59 हजार रुपये उसके बताए यूट्यूब आईडी पर ट्रांसफर कर दिए। रकम लेने के बाद आरोपी ने न तो मुनाफे की राशि दी और न ही मूल रकम लौटाई।

केवाईसी करवाने के बाद गैस एजेंसी से घर लौट रहे थे पिता-पुत्र

सातरोड खास में रह रहा था दाहिमा निवासी वेदपाल

टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और दोनों पिता-पुत्र सड़क पर गिर गए। इसी दौरान ट्रक का पहिया वेदपाल के पैर और पेट के ऊपर से निकल गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। इसके बाद दीपक ने तुरंत वाहन की व्यवस्था कर अपने पिता को नागरिक अस्पताल हिसार पहुंचाया।

फरार ट्रक चालक पर केस दर्ज कर छानबीन में जुटी पुलिस

सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस की टीम एएसआई के नेतृत्व में अस्पताल की मोटरी पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने दीपक के बयान पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अब फरार ट्रक चालक की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए प्रयास कर रही है।

शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर 18.17 लाख की ठगी, एक गिरफ्तार

हिसार। शेयर मार्केट में निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का झांसा देकर 18.17 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने इंदौर निवासी नितीश अहीरवार को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक अन्य आरोपी विनम्र लोधी को जांच में शामिल किया गया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर ठगी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और बैंक खातों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार गांव धान्सू निवासी लक्ष्मण ने शिकायत में बताया कि फरवरी 2025 में उसे क्वाट्सऐप के जरिए एक ग्रुप में जोड़ा गया था। ग्रुप में शेयर मार्केट में निवेश के बदले भारी मुनाफे का लालच दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने उसे ऑनलाइन ट्रेडिंग वॉलेट उपलब्ध करवाकर अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा कराने को कहा। झांसे में आकर उसने कुल 18 लाख 17 हजार रुपये जमा कर दिए। आरोपियों ने वॉलेट में लगातार मुनाफा दिखाया और विश्वास जीतने के लिए निकासी के एक छोटे अनुरोध पर 10 हजार रुपये वापस भी किए। इसके बाद उससे और रकम निवेश करवाई गई तथा वॉलेट में एक करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा दिखाया गया। रकम निकालने पर आरोपियों ने सात लाख रुपये ब्रोकरेज के नाम पर मांगे। अतिरिक्त रकम देने से इनकार करने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी गई। ठगी का पता चलने पर शिकायतकर्ता ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत की। प्राथमिक जांच के बाद मामला दर्ज कर एएसआई अनिल ने आरोपी नितीश को गिरफ्तार किया।

TATA की पेशकश

TANISHQ

Festival of Diamonds

नेचुरल डायमंड्स से सजे मनमोहक डिजाइन, जो आपकी चमक को सबसे अलग बनाएँ

पलैट 20% छूट

10,000+ डिज़ाइन्स में डायमंड की कीमत पर*

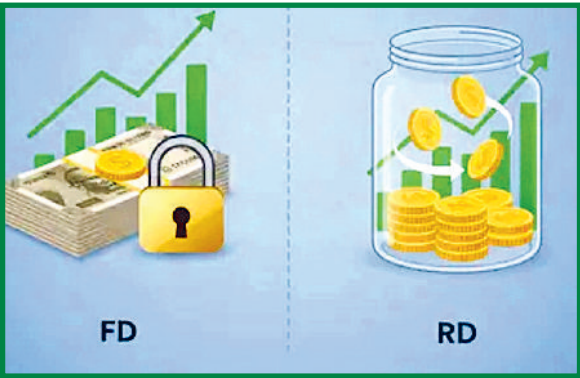
0% कटौती*

डायमंड सेलरी सॉल्यूट पर 9 केसर रिताने कम के पुराने सोने के एक्सेसरीज़ पर।

QR Code

Walk to our jewellery expert to know more ☎ 1800 2966 677 Buy online at tanishq.co.in or Download our App *Conditions apply. For T&C visit our website.

शोरूम :- पीएलए मार्केट के सामने, रिलायंस फ्रेश के पास, दिल्ली रोड, हिसार, टेली. 1800 890 6026



आरडी या एफडी, निवेश के लिए कौन सा विकल्प बेहतर

बचत
बिगनेस डेस्क

बचत को सुरक्षित रखने और उस पर निश्चित रिटर्न हासिल करने के लिए बैंक की सावधि जमा यानी एफडी और आवर्ती जमा यानी आरडी आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय विकल्प हैं। दोनों में बैंक में पैसा जमा किया जाता है और तय अवधि पूरी होने पर मूलधन के साथ ब्याज मिलता है। हालाँकि दोनों योजनाओं की कार्यप्रणाली अलग है। इसलिए निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर करने के बजाय अपनी आमदनी, उपलब्ध रकम और भविष्य की जरूरत के हिसाब से करना ज्यादा समझदारी है।

पहले समझें एफडी और आरडी में अंतर

एफडी में निवेशक एकमुश्त रकम बैंक में जमा करता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति के पास पांच लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है और उसे तत्काल इसकी जरूरत नहीं है, तो वह अपनी पसंद की अवधि के लिए एफडी करा सकता है। अवधि पूरी होने पर उसे मूलधन के साथ निश्चित ब्याज प्राप्त होता है। वहीं आरडी में एक साथ बड़ी रकम जमा करने की जरूरत नहीं होती। इसमें निवेशक हर महीने एक निश्चित रकम जमा करता है। जैसे कोई व्यक्ति हर महीने 5 हजार रुपये आरडी में जमा करता है तो तय अवधि तक वह नियमित रूप से यह रकम जमा करता रहेगा। इस तरह छोटी-छोटी बचत मिलकर भविष्य के लिए बड़ा कोष तैयार कर सकती है।

बचत
बिगनेस डेस्क

केवल ब्याज दर देखकर फैसला न करें

आरडी और एफडी में चुनव करते समय लोग अक्सर ब्याज दर को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। लेकिन सिर्फ ब्याज दर के आधार पर फैसला करना सही तरीका नहीं है। सबसे पहले यह देखें कि आपके पास अभी कितनी रकम उपलब्ध है और हर महीने कितनी बचत कर सकते हैं। मान लीजिए आपके खाते में पांच लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। ऐसे में पूरी रकम को आरडी में लगाने का कोई खास अर्थ नहीं होगा, क्योंकि आरडी में नियमित अंतराल पर किस्त जमा की जाती है। इस स्थिति में एफडी अधिक व्यावहारिक विकल्प हो सकती है। इसके विपरीत यदि आपके पास अभी बड़ी रकम नहीं है, लेकिन हर महीने 5 हजार या 10 हजार रुपये बचा सकते हैं तो आरडी के जरिये धीरे-धीरे रकम तैयार की जा सकती है।

निवेश की अवधि पर भी रखें ध्यान में

एफडी या आरडी चुनते समय निवेश की अवधि का भी ध्यान रखना चाहिए। पैसा कितने समय के लिए अलग रख सकते हैं, यह पहले तय करें। यदि रकम किसी नजदीकी जरूरत के लिए चाहिए तो पूरी राशि को लंबी अवधि के लिए जमा करना उचित नहीं हो सकता। निवेश करने से पहले बैंक की ब्याज दर, समय से पहले जमा तोड़ने के नियम और मिलने वाले ब्याज पर लागू कर व्यवस्था को भी समझ लेना चाहिए। अलग-अलग बैंकों की दरें और शर्तें अलग हो सकती हैं।

एफडी या आरडी, किसके लिए क्या?

एफडी चुन सकते हैं:

- यदि आपके पास एकमुश्त रकम उपलब्ध है।
- यदि कुछ समय तक उस रकम की जरूरत नहीं है।
- यदि आप तय अवधि के लिए रकम सुरक्षित रखना चाहते हैं।
- यदि आप नियमित किस्त जमा करने के बजाय एक बार में निवेश करना चाहते हैं।

आरडी पर विचार कर सकते हैं

- यदि आपके पास बड़ी एकमुश्त रकम नहीं है।
- यदि हर महीने नियमित आय आती है।
- यदि आप अनुशासित तरीके से बचत करना चाहते हैं।
- यदि दो-तीन साल जैसे तय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे रकम जमा करनी है।
- आपात जरूरत के लिए पैसा अलग रखें

जरूरत के हिसाब से करें चयन

एफडी और आरडी में से कौन बेहतर है, इसका कोई एक जवाब नहीं है। एकमुश्त रकम उपलब्ध है और उसे कुछ समय के लिए सुरक्षित रखना है तो एफडी सुविधाजनक हो सकती है। वहीं नियमित आमदनी से हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम बचानी है तो आरडी बेहतर विकल्प हो सकती है। निवेश का फैसला करते समय ब्याज दर के साथ अपनी आय, वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, तरलता की जरूरत और समय से पहले पैसा निकालने की शर्तों को जरूर देखें। सही विकल्प वहीं है जो आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य के अनुरूप हो।

लार्जकैप की गिरावट क्या निवेश का मौका

मिड-स्मॉलकैप की तेजी के बाद पोर्टफोलियो रीबैलेंस करने पर विचार ■ 2026 में अब तक लार्जकैप फंड औसतन 2.36 फीसदी नीचे ■ मिडकैप ने 8.47 फीसदी और स्मॉलकैप ने 15.32फीसदी रिटर्न दिया ■ विशेषज्ञों की सलाह-तेजी वाली श्रेणियों में कुछ मुनाफावसूली कर जोखिम के मुताबिक संतुलन बनाएं

निवेश मंत्रा
बिगनेस डेस्क

शेयर बाजार में 2026 के दौरान अ ल ग - अ ल ग आकार की कंपनियों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंडों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला है। इस साल अब तक लार्जकैप म्यूचुअल फंडों का औसत रिटर्न 2.36 प्रतिशत नकारात्मक रहा है। इसके उलट मिडकैप फंडों ने औसतन 8.47 प्रतिशत और स्मॉलकैप फंडों ने 15.32 प्रतिशत रिटर्न दिया है। आंकड़ों का यह अंतर उन निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके पोर्टफोलियो में तीनों श्रेणियों के फंड शामिल हैं। मिडकैप और स्मॉलकैप में बेहतर प्रदर्शन के बाद अब सवाल यह है कि क्या निवेशकों को इन श्रेणियों में तेजी का फायदा उठाकर कुछ मुनाफा सुरक्षित करना चाहिए और लार्जकैप में पैसा बढ़ाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका जवाब किसी एक श्रेणी को चुनने के बजाय पोर्टफोलियो के मौजूदा संतुलन, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि में छिपा है।



तेजी के बाद मुनाफावसूली पर विचार करना जरूरी

मनी हनी फाइनेंशियल सर्विसेज के संस्थापक अनुप भैया के मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों में निवेशकों को पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग पर विचार करना चाहिए। मिडकैप और स्मॉलकैप में अच्छी तेजी के बाद निवेशक इन फंडों में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचकर मुनाफा सुरक्षित कर सकते हैं। इस रकम के एक हिस्से को लार्जकैप फंडों में लगाया जा सकता है। इस रणनीति का मकसद किसी एक श्रेणी से पूरी तरह बाहर निकलना नहीं है। बल्कि लंबे समय के लिए तय किए गए परिसंपत्ति-वितरण को बनाए रखना है। मसलन, अगर किसी निवेशक ने शुरुआत में अपने इक्विटी पोर्टफोलियो का एक निश्चित हिस्सा मिडकैप और स्मॉलकैप में रखने का फैसला किया था और तेजी के कारण इनकी हिस्सेदारी काफी बढ़ गई है, तो कुछ मुनाफावसूली करके मूल अनुपात के करीब लौटना जोखिम को नियंत्रित करने का तरीका हो सकता है।

लार्जकैप में गिरावट को अवसर की तरह देखें

लार्जकैप फंडों के नकारात्मक रिटर्न को देखकर निवेशकों में चिंता होना स्वाभाविक है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में कमजोर प्रदर्शन करने वाली श्रेणी को केवल इसलिए नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बड़े और स्थापित कारोबार वाली कंपनियों के शेयरों में आई नरमी कुछ निवेशकों के लिए लंबी अवधि में अवसर भी बन सकती है। मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों के मूल्यांकन पहले की तुलना में अधिक संतुलित हो रहे हैं। ऐसे में लंबी निवेश अवधि वाले निवेशक एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

मिडकैप-स्मॉलकैप से पूरी तरह निकलना जरूरी नहीं

मिडकैप और स्मॉलकैप में इस साल बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि निवेशकों को इनसे पूरी तरह पैसा निकाल लेना चाहिए। अरिहत कैपिटल मार्केट्स की मुख्य रणनीति अधिकारी श्रुति जैन के मुताबिक, तेजी के बाद कुछ मुनाफा बुक करना अच्छी आदत है, लेकिन इसे इन श्रेणियों से पूरी तरह बाहर निकलने का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में लंबे समय में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी लार्जकैप की तुलना में अधिक हो सकता है।

अगस्त में विदेशी फंडों का जलवा 36.42 प्रतिशत तक मिला रिटर्न

जानकारी
बिगनेस डेस्क

अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंडों के प्रदर्शन ने निवेशकों का ध्यान अंतरराष्ट्रीय बाजारों की ओर खींचा है। महीने के दौरान सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंडों में विदेशी बाजारों में निवेश करने वाले फंडों का दबदबा रहा। करीब 613 इक्विटी फंडों के प्रदर्शन में शीर्ष पर रहने वाले फंड ने अगस्त में 36.42 प्रतिशत का रिटर्न दिया। टॉप-15 में 12 फंड अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़े रहे। इस प्रदर्शन ने एक बार फिर पोर्टफोलियो में विदेशी निवेश शामिल करने की चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ एक महीने के असाधारण रिटर्न को देखकर निवेशक अपने पोर्टफोलियो में ग्लोबल फंडों की हिस्सेदारी अचानक नहीं बढ़ाएं। अगस्त का प्रदर्शन कुछ खास बाजारों, क्षेत्रों और मुद्रा में आए बदलाव का परिणाम रहा है। अगस्त में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड डीएसपी वर्ल्ड गोल्ड माइनिंग ओसीज इक्विटी ओएमजी एफओएफ रहा। इसने महीने में करीब 36.42 प्रतिशत रिटर्न दिया। इसके बाद निप्पोन इंडिया टाइटान इक्विटी फंड रहा, जिसने 21.30 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डीएसपी वर्ल्ड माइनिंग ओवरसीज इक्विटी ओएमजी एफओएफ ने भी 20.82 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की। आईसीआईआई प्रूडेंशियल स्ट्रेटेंजिक मेटल एंड एनर्जी इक्विटी फंड ऑफ फंड ने 15.48 प्रतिशत रिटर्न दिया। वहीं मिरे एसेट एनवायरंसई एफएएलजी+ईटीएफ एफओएफ ने 11.48 प्रतिशत का रिटर्न दिया।

सुझाव
बिगनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में हाल में मुनाफावसूली देखने को मिली है, लेकिन लंबी अवधि के निवेशकों के लिए कीमती धातुओं की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोने को लगातार समर्थन मिल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा गिरावट को लंबी अवधि के तेजी के दौर में सामान्य करेक्शन के तौर पर देखा जा सकता है। उसके आकलन के अनुसार सोने में मौजूदा स्तरों से करीब 12% तक और तेजी की गुंजाइश है। सोना ऐसा निवेश है, जिससे नियमित ब्याज या लाभांश नहीं मिलता। इसलिए जब ब्याज दरें ऊंची होती हैं तो निवेशकों के लिए बैंक जमा और बांड जैसे ब्याज देने वाले विकल्प अपेक्षाकृत आकर्षक रहते हैं। इसके उलट ब्याज दरों में कमी आने पर सोने को रखने की अवसर लागत घटती है और इसकी मांग बढ़ सकती है। इसी वजह से दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की मांदिक नीति भी सोने की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरों में कटौती का दौर आगे बढ़ता है तो सोने के लिए सकारात्मक माहौल बन सकता है।

सुझाव
बिगनेस डेस्क

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बनी बड़ा सहारा

सोने की मौजूदा मजबूती के पीछे केवल बाजार का रुझान नहीं है। केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की खरीदारी और विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने की कोशिश भी इसकी मांग को सहारा दे रही है। कई केंद्रीय बैंक अपने रिजर्व में डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के साथ सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इससे सोने की मांग को लंबी अवधि में संरचनात्मक समर्थन मिलता है। यही कारण है कि बीच-बीच में मुनाफावसूली होने के बावजूद सोने का व्यापक तेजी वाला रुझान बना हुआ है।

4,060 डॉलर तक महत्वपूर्ण

एक आकलन के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की करीब 4,060 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर मजबूत समर्थन मिला है। वहीं चांदी ने पिछले चार से छह सप्ताह में करीब 58 डॉलर के स्तर को बनाए रखा है। तकनीकी तौर पर किसी भी तेजी वाले बाजार में लगातार एकतरफा बढ़त संभव नहीं होती। कीमतों में बीच-बीच में गिरावट और कुछ समय तक सीमित दायरे में कारोबार सामान्य प्रक्रिया है। इसलिए हाल की मुनाफावसूली को देखकर लंबी अवधि की पूरी कहानी बदल गई है, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी।



क्या अब विदेशी फंडों में निवेश बढ़ाना चाहिए?

अगस्त के आंकड़े आकर्षक जरूर हैं, लेकिन विशेषज्ञ निवेशकों को जल्दबाजी से बचने की सलाह दे रहे हैं। राजेश मिश्रा के मुताबिक, केवल एक महीने के प्रदर्शन को आधार बनाकर निवेश का फैसला नहीं करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय निवेश का सबसे बड़ा फायदा पोर्टफोलियो में भौगोलिक विविधता लाना है। भारतीय बाजार में निवेश करने वाले व्यक्ति के पास अमेरिका, ताइवान या दूसरे देशों की कंपनियों में सीधे निवेश किए बिना अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंडों के माध्यम से हिस्सा लेने का विकल्प होता है। इससे किसी एक देश या बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, विदेशी निवेश में मुद्रा जोखिम, वैश्विक बाजारों की अस्थिरता और अलग-अलग देशों की आर्थिक एवं नीतिगत परिस्थितियों का असर भी रहता है। इसलिए इसे पोर्टफोलियो का पूरा आधार बनाने के बजाय विविधीकरण के एक हिस्से के रूप में देखना ज्यादा उचित है।

पूरी अंतरराष्ट्रीय श्रेणी ने 36 प्रतिशत रिटर्न नहीं दिया

यह अंतर समझाने निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। शीर्ष फंड के 36.42 प्रतिशत रिटर्न को देखकर ऐसा लग सकता है कि अंतरराष्ट्रीय फंडों की पूरी श्रेणी ने अगस्त में असाधारण प्रदर्शन किया। लेकिन ऐसा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फंडों का औसत एक महीने का प्रदर्शन करीब 3.6 प्रतिशत रहा। इसका मतलब है कि कुछ चुनिंदा फंडों के शानदार प्रदर्शन ने पूरी श्रेणी का तस्वीर को काफी ऊपर खींच दिया। गोल्ड माइनिंग, मेटल्स, ऊर्जा, ताइवान और अमेरिकी तकनीकी शेयरों से जुड़े फंडों को खास परिस्थितियों का फायदा मिला। भविष्य में यदि इन क्षेत्रों की तेजी धीमी होती है तो इनके रिटर्न में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यदि किसी निवेशक के पोर्टफोलियो में पहले से अंतरराष्ट्रीय फंड हैं तो केवल अगस्त के प्रदर्शन को देखकर उन्हें बेचने या बढ़ाने की जरूरत नहीं है। पहले यह देखना चाहिए कि कुल निवेश में विदेशी फंडों की हिस्सेदारी कितनी है और क्या यह उसके वित्तीय लक्ष्य

तथा जोखिम क्षमता के अनुरूप है। नए निवेशकों के लिए भी किसी एक महीने के रिटर्न के आधार पर बड़ी रकम लगाना उचित नहीं होगा। यदि पोर्टफोलियो में विदेशी बाजारों को शामिल करना है तो निवेश को चरणबद्ध तरीके से किया जा सकता है। व्यापक स्तर पर विविधीकरण करने वाले फंड और किसी खास देश या क्षेत्र पर केंद्रित फंड के जोखिम में भी अंतर होता है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **एक महीने का रिटर्न अंतिम संकेत नहीं** : 36.42 प्रतिशत का रिटर्न असाधारण है, लेकिन इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।
- **देश और थीम देखें** : अमेरिका, ताइवान, गोल्ड माइनिंग, धातु और ऊर्जा से जुड़े फंडों का जोखिम और प्रदर्शन एक जैसा नहीं होता।
- **मुद्रा जोखिम समझें** : रुपये में कमजोरी विदेशी निवेश का रिटर्न बढ़ा सकती है, लेकिन रुपये की मजबूती इसका उलटा असर डाल सकती है।
- **पोर्टफोलियो में संतुलन रखें** : अंतरराष्ट्रीय निवेश का उद्देश्य केवल ज्यादा रिटर्न हासिल करना नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो में भौगोलिक विविधता लाना भी है।
- **चरणबद्ध निवेश बेहतर** : विदेशी बाजारों में निवेश बढ़ाना हो तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।



गोल्ड ईटीएफ ने एक साल में दिया 43% से ज्यादा रिटर्न

31 जुलाई 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में मजबूत प्रदर्शन किया है। एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ ने 43.47%, कोटक गोल्ड ईटीएफ ने 43.53% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 43.24% रिटर्न दिया। तीन साल की अवधि में भी इन योजनाओं का प्रदर्शन मजबूत रहा। एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ ने 32.37%, कोटक गोल्ड ईटीएफ ने 32.49% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 32.27% रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ ने किया और बेहतर प्रदर्शन

चांदी से जुड़े निवेश उत्पादों का हालिया प्रदर्शन सोने से भी बेहतर रहा है। 31 जुलाई 2026 तक आईसीआईआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ ने एक साल में 95.24% और निप्पोन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 94.55% रिटर्न दिया। तीन साल में इनका रिटर्न क्रमशः 42.09% और 41.71% रहा। लेकिन यहां निवेशकों को रिटर्न के साथ जोखिम को भी देखना चाहिए। चांदी में कीमतों का उतार-चढ़ाव सोने के मुकाबले अधिक होता है। इसलिए केवल पिछले एक साल के शानदार रिटर्न को देखकर इसमें बड़ी रकम लगाना उचित रणनीति नहीं मानी जा सकती।

गोल्ड फंड और सिल्वर फंड में क्या तस्वीर?

गोल्ड फंड ने भी इस अवधि में अच्छा प्रदर्शन किया है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इन फंडों ने एक साल में करीब 42% तक और तीन साल में 31% से ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं सिल्वर फंड की कई योजनाओं का एक साल का रिटर्न 90% से ज्यादा रहा है। इन आंकड़ों से यह जरूर पता चलता है कि पिछले कुछ समय में कीमती धातुओं ने निवेशकों की शानदार रिटर्न दिया है, लेकिन निवेश का फैसला केवल बाते प्रदर्शन के आधार पर नहीं होना चाहिए।

क्या अभी सोने में निवेश करना चाहिए?

लंबी अवधि के निवेशक सोने को पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले साधन के रूप में देख सकते हैं। बाजार में जब शेयर या दूसरे जोखिम वाले निवेश दबाव में आते हैं, तब सोने कई बार पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। हालांकि, जिस निवेशक ने सोने में पहले ही बड़ी तेजी के दौरान निवेश किया है, उसे नई खरीदारी करते समय एकमुश्त रकम लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश पर विचार करना चाहिए।

चांदी में सावधानी ज्यादा जरूरी

चांदी में संभावित रिटर्न अधिक हो सकता है, लेकिन जोखिम भी उन्ही अनुपात में बढ़ जाता है। इसलिए इसे सोने का सीधा विकल्प मानना उचित नहीं होगा। जोखिम लेने की क्षमता अधिक रखने वाले और उतार-चढ़ाव सहन कर सकने वाले निवेशक ही अपने कुल निवेश में इसकी सीमित हिस्सेदारी पर विचार कर सकते हैं।

निवेशकों के लिए सीधी बात

सोने और चांदी में तेजी की कहानी अभी कायम दिख रही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कीमतें लगातार बढ़ती रहेंगी। ब्याज दरों का रुख, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक परिस्थितियां आगे भी इनकी कीमतों को प्रभावित करेंगी। निवेशकों के लिए सबसे अहम बात यह है कि शानदार पुराने रिटर्न के पीछे मानने के बजाय अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार एसेट अलोकेशन तय करें। सोने को पोर्टफोलियो का पूरा आधार बनाने के बजाय विविधीकरण के साधन के रूप में देखना अधिक संतुलित रणनीति हो सकती है। चांदी में संभावित तेजी आकर्षक है, लेकिन उसके साथ आने वाले तेज उतार-चढ़ाव के लिए भी तैयार रहना होगा।

खबर संक्षेप

युवक के साथ मारपीट कर किया घायल
नारनौद। गांव पेटवाड़ में कुछ युवकों ने पब्लिक हेल्थ विभाग के कर्मचारी राजेश पर लोहे की रॉड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपी सतेन्द्र उर्फ भोलू अपने 4-5 साथियों के साथ स्कॉर्पियो में आया था। आरोपियों ने पहले उसके घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर के साथ तोड़फोड़ की और घर में घुसकर सोलर पैनल तोड़ डाले। जब राजेश पुलिस को लोकेशन देने बाहर निकला, तो आरोपियों ने उस पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस की गाड़ी को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने भोलू, बहाबउ और तालु निवासी उसके साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान-मजदूर यूनियन आंदोलन में होगी शामिल
हांसी। नगर पालिका कर्मचारी संघ एवं अग्निशमन विभाग कर्मचारी संघ हरियाणा का आंदोलन शनिवार को 31वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन स्थल पर कर्मचारियों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। शनिवार को किसान-मजदूर यूनियन के पदाधिकारियों ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर कर्मचारियों को समर्थन दिया। किसान नेताओं धर्मपाल बदाला और कपूर सिंह बापन ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अकेला नहीं समझना चाहिए और उनके साथ किसी भी तरह की प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसान-मजदूर यूनियन ने ऐलान किया कि सोमवार से वह कर्मचारियों के आंदोलन में सीधे शामिल होकर संघर्ष करेगी। इस दौरान दशरथ मलिक, प्रताप बड़छप्पर, बलजीत सारसर, सुलोमान, रिंकू, सुरेंद्र खटक, अरुण चौहान, अशोक यादव, कपूर सिंह सहित अन्य किसान-मजदूर मौजूद रहे।

साइकिलिंग प्रतियोगिता में छाए खिलाड़ी
उकलाना। जिला साइकिलिंग संघ हिसार की ओर से जिला स्तरीय माउंटेन बाइक साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन आरोही स्कूल, उकलाना के सामने किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ आरोही स्कूल के प्राचार्य सुरेंद्र पाल वर्मा एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रामेश्वर दास भाटीवाल ने किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

लार्यंस क्लब ने शिक्षकों को सम्मानित किया
हिसार। लार्यंस क्लब हिसार ए फ़िरोजा द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष में पैलेडियम जूनियर स्कूल, बैंक कॉलोनी में प्रधान महेश चौधरी की अध्यक्षता में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में स्कूल की प्रिंसिपल मैडम मल्लिका धवन सहित सभी शिक्षकों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब के जोन चेयरमैन हरिश छाबड़ा, सचिव सुरेंद्र बजाज, प्रोजेक्ट चेयरमैन सुनील कक्कड़, अशोक मेहता, मुकेश बजाज, महेश नारंग, बीसी गोयल सहित क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर 260 छात्रों को बांटी स्टेशनरी
हिसार। शिक्षक दिवस के अवसर पर 'हमारा प्यार हिसार' संस्था की ओर से सूर्य नगर स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के 260 विद्यार्थियों को हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित की नोटबुक, पेंसिल, खर्, शार्पनर सहित पढ़ाई में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में संस्था के वरिष्ठ सदस्यों ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एसके पर, डॉ. राजकुमार वर्मा, त्रिलोक बंसल, प्रो. हरिश भाटिया, कमल भाटिया, आदेश मलिक, युद्धवीर पानू, एलीना मेहता रहे।

वानप्रस्थ में हर्षोल्लास के साथ मनाया अध्यापक दिवस एवं जन्माष्टमी उत्सव

सुनीता बहल व कौशल जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज़ ॥ हिसार

वानप्रस्थ सीनियर सिटीजन क्लब में अध्यापक दिवस एवं जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव से मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों को तिलक लगाकर पेन भेंट किए गए। सुनीता बहल एवं कौशल जैन ने सभी का स्वागत किया। क्लब के महासचिव डॉ. जेके डांग ने कहा कि शिक्षक हमारे व्यक्तित्व, संस्कार और जीवन-दृष्टि के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



हांसी। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर के सामने पुष्प अर्पित करते हुए।

शिक्षक दिवस पर छात्राओं ने नृत्य और लघुनाटिका से सभी का मन मोहा

हांसी। श्री सनातन धर्म कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भगत सिंह रोड में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह में 12वीं कक्षा की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक शिक्षकों की भूमिका निभाई। इस दौरान विद्यार्थियों ने कविताओं, गीतों, नृत्य और लघुनाटिका सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शिक्षकों के प्रति प्रेम, सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय की प्राचार्या रेनू बंसल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र के भावी नागरिकों के चरित्र और व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि भारत में शिक्षक दिवस महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है। उनका जीवन शिक्षकों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

लक्ष्य पब्लिक स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस



हिसार। सीबीएसई से संबद्ध लक्ष्य पब्लिक स्कूल, धांसू में शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं। बच्चों ने शिक्षकों की गरिमा और उनके महत्वपूर्ण योगदान का गुणगान करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की भावना को जीवंत किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति 'सम्मान एवं आभार' की भावना से प्रेरित होकर सभी अध्यापकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यालय के निदेशक श्री रामनिवास वर्मा द्वारा विद्यालय के लगभग 60 उत्कृष्ट एवं समर्पित शिक्षकों को 'बेस्ट टीचर अवॉर्ड' से सम्मानित करना रहा। विद्यालय के निदेशक रामनिवास वर्मा ने कहा कि शिक्षक किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। लक्ष्य पब्लिक स्कूल के शिक्षक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर मेहनत और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं।



श्री श्याम मंदिर में धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

हांसी। शहर के श्री श्याम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में शुक्रवार शाम 7 बजे से रात 12 बजे तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इस दौरान माखन चौर श्रीकृष्ण, राधा-कृष्ण सहित विभिन्न धार्मिक एवं आकर्षक झांकियां सजाई गईं, जिन्हें देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम के दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनो पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गुंज उठा और श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए।

मेगा रोजगार मेले में 647 अभ्यर्थी पहुंचे, 288 शॉर्टलिस्ट

17 प्रतिष्ठित फार्मा कंपनियों ने लिया भाग, विद्यार्थियों को मिले रोजगार के अवसर

हरिभूमि न्यूज़ ॥ हिसार

मानव इंस्टीट्यूट, जेवरा में शनिवार को आयोजित मानव मिशन सेलमेंट मेगा फार्मेसी जॉब फेयर में रोजगार के लिए युवाओं का उत्साह देखने को मिला। फार्मेसी क्षेत्र के विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित दवा कंपनियों से



हिसार। रोजगार मेले में भाग लेने पहुंचे युवा।

जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस मेगा रोजगार मेले में 647 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 288

विद्यार्थियों को आगामी चयन प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। रोजगार मेले में 17 प्रमुख



हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित वानप्रस्थ के पदाधिकारी एवं सदस्य।

फोटो : हरिभूमि

उन्होंने कहा कि वानप्रस्थ भी अपने अनुभव और ज्ञान को अगली पीढ़ी तक पहुंचाकर सीखने और सिखाने की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। जन्माष्टमी पर उन्होंने श्रीकृष्ण के निष्काम कर्म, प्रेम, सद्भावना और मानव सेवा

के संदेश को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनीता श्योकंद एवं वीना अग्रवाल ने किया। सदस्यों ने कभी शिक्षक तो कभी विद्यार्थी बनकर कक्षा-कक्ष के हास्यपूर्ण प्रसंग प्रस्तुत किए। किसी ने

एचएसएससी सदस्य जाखड़ ने किया सुलखनी स्कूल का निरीक्षण

हिसार। शिक्षक दिवस के अवसर पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य साधु राम जाखड़ ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुलखनी का दौरा कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई से संबंधित जानकारी ली। विद्यालय में पहुंचने पर प्रधानाचार्य राजकुमार श्योराण ने साधु राम जाखड़ का स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान साधु राम जाखड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए लगन, निष्ठा और अनुशासन के साथ अध्ययन करना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा विकसित करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर की स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, मिड-डे मील की गुणवत्ता तथा पुस्तकालय की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।



हिसार। एचएसएससी सदस्य साधु राम जाखड़ का स्वागत करते प्रधानाचार्य।

विज्डम स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस

हिसार। साउथ बाइपास स्थित विज्डम स्कूल में शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में खेलों का भी आयोजन किया गया। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। विद्यालय प्रधानाचार्य नीलम पितागिया व विद्यालय संचालक हरिपाल पितागिया ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं भविष्य को दिशा देने वाला मार्गदर्शक होता है।



हिसार। शिक्षक दिवस मनाते स्टाफ सदस्य।

फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी में शिक्षकों का सम्मान

हांसी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन, गढ़ी में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जलित कर की गई। विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस के महत्व और गुरु की भूमिका पर भाषण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों की पाठ्यक्रम के ज्ञान के साथ अनुशासन, संस्कार और नैतिक मूल्यों की सीख देकर जीवन में सही दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में शिक्षकों के लिए आयोजित नृत्य प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता की और विद्यार्थियों ने तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से उत्कृष्ट कार्य, समर्पण एवं शैक्षणिक योगदान के लिए शिक्षकों को सम्मानित किया गया।



फार्मास्यूटिकल कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों ने भाग लिया। मानव इंस्टीट्यूट के चेयरमैन डॉ. सीपी गुप्ता ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर उन्हें बेहतर रोजगार उपलब्ध कराना है।। संस्थान की प्राचार्या डॉ. किरण बागड़ी ने बताया कि मेले में मानव इंस्टीट्यूट के अलावा आसपास के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी भी बड़ी

संख्या में शामिल हुए। मेले में भाग लेने वाली कंपनियों में एन्केम लेबोरेटरीज, हिमालया फार्मा, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज, मैकआईड फार्मा, मेडिका फार्मास्यूटिकल्स, रैप्रैस फार्मास्यूटिकल्स, रेंडिसल हेल्थकेयर, नव चेतना फार्मास्यूटिकल्स, कैडसोल लाइफ साइंस, रोने लेबोरेटरीज, कोएक्स बायोमेडीज, नियोफाइल, इंडोवेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रोटेक रेमेडीज सहित कुल 17 कंपनियां एवं संस्थान शामिल रहे।

'मटकी सज्जा' प्रतियोगिता में मीनाक्षी प्रथम



हिसार। छात्रराम शिक्षण महाविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व अध्यापक दिवस को बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों ने कई सृजनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया। श्री कृष्ण जी का विशेष अनुराग दर्शी एवं मखन के प्रति रहा, इसलिये 'मटकी सज्जा' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम स्थान मीनाक्षी, द्वितीय स्थान सोनिका तथा तृतीय स्थान कोमल ने प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में बीरमति प्रथम, पिपा और ममता द्वितीय तथा सोनिका, कोमल और सुरजीत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में मीनाक्षी प्रथम, पूजा द्वितीय तथा जितेंद्र तृतीय स्थान पर रहे। अध्यापक दिवस के उपलक्ष में सभी छात्रों ने अपने अध्यापकों को बधाई संदेश प्रेषित किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा देवी ने भावी अध्यापकों को देश के निर्माण में सकरात्मक भूमिका अदा करने तथा नव सृजन में बड़-बढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

भारत मित्र स्तंभ खांडा खेड़ी में हवन समारोह



नारनौद। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर भारत मित्र स्तंभ खांडा खेड़ी में हवन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इंडस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के ग्रुप डायरेक्टर सुभाष श्योराण, एडमिनिस्ट्रेटर मनदीप सिंह, एमजेडी खांडा की प्राचार्या सुनीला मलिक तथा पीएमकेवीएन खांडा खेड़ी के प्राचार्य अमित गौड़ उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि एक शिक्षक की भूमिका काफ़ी चुनौती पूर्ण होती है। वे भविष्य की नींव को तैयार करते हैं। इस दिन सभी छात्र अपने गुरुओं का सम्मान करते हैं। छात्रों को अच्छे संस्कार देने चाहिए ताकि वो अच्छे समाज की स्थापना कर सकें। शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्रों ने हवन यज्ञ कर के सभी अध्यापकों का आशीर्वाद लिया है। साथ ही शपथ ली कि वह हमेशा शिक्षकों का सम्मान करेंगे। इस अवसर पर हवन का आयोजन एवं संचालन आचार्य डॉ. मंजीत सिंह द्वारा किया गया। खांडा कैम्पस के सभी समर्पित शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ हवन में भाग लिया।

डीपीएस में हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस



हिसार। दिल्ली पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस उल्लास, सम्मान और कृतज्ञता के भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गुरु-वंदना, समूहगान, नृत्य, कविता तथा भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने पूरे विद्यालय परिसर को उत्साह और आत्मीयता से भर दिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न कक्षाओं में शिक्षकों की भूमिका निभाते हुए अध्यापन किया। इस अभिनव गतिविधि के माध्यम से उन्होंने शिक्षक के दायित्व, अनुशासन और समर्पण को निरूपित से अनुभव किया। इसके साथ ही शिक्षकों के लिए अनेक मनोरंजक खेल एवं रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को बड़े उत्साह के साथ खेल खिलाए। विद्यालय प्रधानाचार्या मंजु सुधाकर ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक शिक्षक का प्रभाव कक्षा की चार दीवारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह विद्यार्थियों के संपूर्ण जीवन को दिशा देता है।

गुठ के सम्मान में गूजा आरपीएस पब्लिक स्कूल



हांसी। आरपीएस पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति प्रेम, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। पूरे विद्यालय परिसर में गुरु-शिष्य परंपरा के सम्मान और आत्मीयता का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, भाषण सहित विभिन्न प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में रंग भर दिया। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की खूब तालियां बटोरीं। विद्यार्थियों ने अपने संदेशों के माध्यम से कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे जीवन में सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी हैं। विद्यालय की प्राचार्या एकता सक्देवा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान, संस्कार और अनुशासन का दीप प्रज्जलित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से सदैव अपने शिक्षकों का सम्मान करने तथा उनके मार्गदर्शन को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

शिव मंदिर में बच्चों की टोली ने तोड़ी दही-झंडी



जाटान के दादी गौरी मंदिर में लगा गोणा मेला

हिसार। निकटवर्ती गांव बाड़्या जाटान में दादी गौरी मंदिर में दो दिवसीय गोणा मेले का आयोजन किया गया। इसी मंदिर में दादी गौरी का समाई स्थल है। दोनों ही दिन हरियाणा के अलावा दूसरे प्रदेशों से भी भारी संख्या में लोग पूरे श्रद्धा भाव से माथा टेकने पहुंचे। मंदिर के प्रधान सुंदर सिंह दगाल व सचिव सत्य कुमार जांगड़ा ने बताया कि यह मंदिर लगभग 500 साल पुराना है। जन्माष्टमी की राति से ही लोगों का मंदिर में आना शुरू हो गया। रात भर हजारों लोगों ने मंदिर में माथा टेककर प्रसाद चढ़ाया व अपनी मन्त्रों मंत्रों तथा हजारों लोगों ने अपनी पूरी हुई मनौतियां भी उतारी। दोनों दिन मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भंडारा चलाया गया। मंदिर के सचिव सत्य कुमार जांगड़ा ने बताया कि दादी गौरी के समाई स्थल गांव बाड़्या जाटान में बने इस मंदिर में साल में एक बार ही मेला लगता है।



खबर संक्षेप

दानपात्र से चोरी करने वाला गिरफ्तार

हिसार। गांव सदलपुर स्थित बाबा रामदेव मंदिर में दानपात्र का ताला तोड़कर रुपये चोरी करने के मामले में आदमपुरपुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 1000 रुपये भी बरामद कर लिए हैं। आरोपी की पहचान मंडी आदमपुर में रहने वाले बरवाला थाना के खेड़ा निवासी कुलदीप के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गांव सदलपुर निवासी पवन कुमार ने शिकायत देकर बताया था कि वह बाबा रामदेव मंदिर में पूजा-पाठ का कार्य करता है। गत रात अज्ञात व्यक्ति ने मंदिर के गेट का ताला तोड़कर अंदर रखे दानपात्र से करीब 1000 से 1500 रुपये चोरी कर लिए। शिकायत पर कसे दर्ज करके पुलिस ने जांच करते हुए पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपी कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया।

जन्मदिन पर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

हिसार। जन्मदिन समारोह के दौरान हुए विवाद के बाद मारपीट और कार में तोड़फोड़ करने के मामले में अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने एक आरोपी सूर्य नगर निवासी प्रवीन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया डंडा भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गांव छान बरवाला निवासी अमन 17 अगस्त को अपने जन्मदिन के अवसर पर शीशमहल के पास स्थित एक होटल में परिवार और परिचितों के साथ मौजूद था। इसी दौरान उसके चचेरे भाई अंकित ने उसे बताया कि प्रदीप निवासी राजली की किसी व्यक्ति के साथ कहासुनी हुई है। बाद में मारपीट शुरू हो गई।

नंद महोत्सव व भजन संध्या आज

हिसार। उत्तर व दक्षिण भारतीय संस्कृति में एकजुटता स्थापित करने वाले तिरुपति बालाजी धाम में 6 सितंबर को आयोजित होने वाले नंद महोत्सव व संगीतमयी भजन संध्या की तैयारियां पूरी हो गई हैं। 6 सितंबर को सायं 3.30 बजे से भजन संध्या शुरू होगी। प्रसिद्ध भजन गायक डॉ. मोहन तनेजा अपनी मंडली के साथ भजनों के माध्यम से भगवान की लीलाओं का गुणगान करेंगे। नंद महोत्सव व संगीतमयी भजन संध्या के लिए अग्रोहा रोड पर टोल प्लाजा के पास स्थापित तिरुपति धाम को लड़ियों, गुब्बारा व रंग-बिरंगी लाइट से सजाया गया है।

मोक्ष वृद्धाश्रम में गाज प्रभु श्रीकृष्ण के भजन

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में बुजुर्गों ने प्रभु श्रीकृष्ण की आराधना करते हुए भजन गाए। इस दौरान कई बुजुर्गों ने श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी गाथाएं साझा करके अभिभूत कर दिया। इस अवसर पर कोटक लाइफ इश्योरेंस, हिसार ने सेवार्थ भाव से सभी बुजुर्गों के लिए भोजन प्रसाद उपलब्ध करवाया। कोटक लाइफ इश्योरेंस से जुड़े सदस्यों ने मोक्ष वृद्धाश्रम का अवलोकन किया और बुजुर्गों के साथ मुलाकात करके उनसे अनुभव भी साझा किए।

ओशो ध्यान उपवन में महासत्संग आज

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में चल रहा छह दिवसीय कृष्ण भक्ति उपासना शिविर श्रीकृष्ण लीला के मंचन के साथ ही कृष्णमय हो गया। ओशो अनुज स्वामी शैलेंद्र सरस्वती एवं मां अमृत प्रिया के सान्निध्य में श्रीकृष्ण लीला में साधकों ने श्रीकृष्ण के जन्म को अंधकार में प्रकाश का आगमन और बाल लीला को नटखटपन में अनंत प्रेम के रूप में दर्शाया। इसी भांति रस और प्रेम को भक्ति के अदभुत विस्तार और जीवन दर्शन को संबंधों में सत्य की खोज के रूप में परिभाषित किया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

गुरुकुल धीरणवास में 54वां स्थापना दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह मनाया

गुरुकुल शिक्षा ही संस्कारवान समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार : स्वामी आर्यवेश

हरिभूमि न्यूज़ ►►हिसार

गुरुकुल धीरणवास का 54वां स्थापना दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह वैदिक परंपराओं, यज्ञ, भजन तथा विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऋषि दयानन्द ने श्रीकृष्ण को आप्त पुरुष की संज्ञा दी है। धर्म की पुनर्स्थापना के लिए योगेश्वर श्रीकृष्ण ने युद्ध के मैदान में अर्जुन को ज्ञान प्रदान किया। श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, कर्तव्य और धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष की प्रेरणा देता है। जिला परिषद हिसार के चेयरमैन सनू सिहाग मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि ऋषि दयानन्द और श्रीकृष्ण दोनों ने अन्याय, अधर्म तथा पाखंड के विरुद्ध शंखनाद किया। उन्होंने गुरुकुल धीरणवास



हिसार। कार्यक्रम में पहुंचे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश को सम्मानित करते गुरुकुल के कार्यकारी प्रधान सूबे सिंह आर्य व कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण।
फोटो : हरिभूमि

121 विशेष सहयोगियों को सम्मानित किया गया

इस अवसर पर मुख्य यजमान सेठ मांगे राम, मेहनंद आर्य, तेलूगम सरपंच एवं महेंद्र पायल रहे भजनोपदेशिका संगीता आर्या एवं रामकुमार आर्य ने भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में गुरुकुल के 121 विशेष सहयोगियों को सम्मानित किया गया।

चाहिए। नलवा विधायक के पुत्र भूपेंद्र पनिहार ने युवाओं से सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध संकल्प लेकर आगे आने का आह्वान किया। गुरुकुल के मंत्री सत्य प्रकाश आर्य, मुख्याधिष्ठाता कैप्टन सुवह सिंह, उपप्रधान अजमेर सलेमगढ़, भूप सिंह सीसवाला, आर्य समाज नागोरी गेट

के प्रधान देवेंद्र सैनी, पुनिया खाप के प्रदेश अध्यक्ष शमशेर नंबरदार, कन्या गुरुकुल डोभी से परमजीत, पूर्व एसडीएम संतलाल पचार, दलबीर आर्य, खजान सिंह पनिहार, जेपी ज्यानी, बलबीर देशवाल, इंद्रजीत आर्य, राजकुमार आर्य, रामस्वरूप आदमपुर, जगदीश आर्य आदि मौजूद रहे।



हिसार। हवन-यज्ञ में आहुति डालते यजमान व कार्यक्रम में उपस्थित स्कूली छात्राएं एवं गणमान्य व्यक्ति।
फोटो : हरिभूमि

वर्ण आश्रम व्यवस्था को अपनाकर भारत पुनः प्राप्त कर सकता विश्व गुरु का गौरव

हिसार। आर्य समाज नागोरी गेट के तत्वावधान में आयोजित वेद प्रचार सप्ताह के छठे दिन स्वामी आर्यवेश महाराज ने वैदिक वर्ण एवं आश्रम व्यवस्था को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों और युवाओं को शिक्षा के साथ तप, संयम और सद्भाव का पालन करना चाहिए। संस्कारित युवा आगे चलकर संस्कारित परिवार और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ण व्यवस्था में सभी वर्गों के लोग परस्पर सहयोग और प्रेम से कार्य करें तो देश मजबूत होगा। सहारनपुर से आई भजनोपदेशिका संगीता आर्या ने शिक्षक दिवस और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ से हुआ।

नागोरी गेट पर नागरिक अधिकार मंच का धरना, कानून-व्यवस्था पर घेरा

हरिभूमि न्यूज़ ►►हिसार

नागरिक अधिकार मंच हिसार की ओर से शनिवार को नागोरी गेट पर जन धरना आयोजित किया गया। धरने का संचालन नागरिक अधिकार मंच की उपप्रधान सर्वजीत कौर और राजेश बागड़ी ने किया। धरने को संबोधित करते हुए मंच के अध्यक्ष अनिल शर्मा ने भाजपा सरकार पर प्रदेश की कानून व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से शहर के नागरिक अपराध और बीमारी के भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं, जबकि सरकार मुकदशेक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच पुलिस की मदद से कूड़ा उठवाने की व्यवस्था की जा रही है, जबकि पुलिस को कानून व्यवस्था



हिसार। धरने को संबोधित करते अनिल शर्मा।
शहर कूड़े के ढेरों पर खड़ा

अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि नगर निगम कर्मचारियों की हड़ताल के चलते पिछले करीब एक माह से हिसार शहर कूड़े के ढेरों पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मुख्य मांग सरकार द्वारा 13 मांव को उन्हें पक्का करने के किए एक वक्त को लागू करना है, लेकिन अब सरकार कानूनी अड़चनों का हवाला देकर अपने वायदे से पीछे हट रही है।



हिसार। मंगाली में हवन करते पदाधिकारी व सदस्य।
फोटो : हरिभूमि

मंगाली में योग के साथ वैदिक यज्ञ से गुंजा श्रीकृष्ण व गुरु जन्मोत्सव जन्मोत्सव का संदेश

हिसार। पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में जिला प्रमारी डॉ. मुकेश कुमार के सान्निध्य में मंगाली की नियमित योग कक्षा की ओर से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं गुरु जन्मोत्सव जी के जन्मोत्सव के पवन अवसर पर सामूहिक वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ यज्ञ में भाग लेते हुए स्वस्थ जीवन, प्रकृति संरक्षण तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया। भारत स्वामिमान न्यास के जिला प्रमारी डॉ. मुकेश कुमार ने वैदिक विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ संपन्न करवाया। प्रवक्ता सुरेंद्र पानू हिन्दुस्तानी ने नियमित योग कक्षा से जुड़े साधकों और आयोजकों की सराहना की। आरुष विभाग के अंतर्गत आरुष योग सहायक सुनील कुमार, प्रेमनारायण, सज्जन बैरागी, शीतल गोदारा, प्रमोद बिशेनोई, सुरेंद्र डेलू, गीता, कक्षा प्रमारी सुमन, मंजू, आशा वर्कर जुगुनी, सुनील, पिकी, महिपाल, नवीन कौशिक, सलवती आदि मौजूद रहे।

मांग पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

महाराजा अग्रसेन ग्लोबल सिटी परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने का आग्रह

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम समेत हिसार के विकास से जुड़ी 13 मांगों का ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज़ ►►हिसार

पूर्व स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ स्थित उनके सरकारी आवास कबीर कुदौर में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए स्मृति चिह्न भेंट किया। मुलाकात के दौरान हिसार के समग्र विकास से



हिसार। मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. कमल गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. कमल गुप्ता ने सबसे पहले महाराजा

विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं भी विकसित होनी चाहिए

बैठक में हिसार में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। डॉ. गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ हिसार में विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं भी विकसित होनी चाहिए, ताकि क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलें। डॉ. गुप्ता ने हिसार विकासमा क्षेत्र के विकास से जुड़ी 12 अन्य प्रमुख मांगों का ज्ञापन भी मुख्यमंत्री को सौंपा। इनमें हिसार में हरियाणा का पहला आईआईटी केंद्र स्थापित करना, एलिक्ट्रेड रेलवे ट्रैक का निर्माण, रेलवे ओवरब्रिज एवं अंडरब्रिज, इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी), ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क, महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के फेज-2 का शीघ्र निर्माण, मल्टीपजेंट हंडेड स्टेडियम, ट्रांसपोर्ट नगर, नया नागरिक अस्पताल परिसर, नया बस अड्डा परिसर तथा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की अलग बेस स्थापित करने जैसी मांगें शामिल हैं। सौंपने से रबी गई मांगों और सुझावों को गंभीरता से सुना।

अग्रसेन ग्लोबल सिटी (अग्रोतक) परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लगभग 2231 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में प्रस्तावित यह

महत्वाकांक्षी परियोजना हिसार सहित पूरे हरियाणा के औद्योगिक, आर्थिक, शैक्षणिक, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर सकती है।

जाट धर्मशाला में भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) की बैठक

किसानों-मजदूरों की मांगों पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज़ ►►हिसार

शहर की जाट धर्मशाला में भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) की बैठक प्रदेश अध्यक्ष दिलबाग सिंह हुड्डा लुदास की अध्यक्षता में हुई। बैठक में किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संगठन को मजबूत करने तथा किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया गया।

बैठक में यूनियन ने भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते को तत्काल रद्द करने की मांग की। इसके अलावा किसानों की कर्ज माफी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार फसलों की



हिसार। बैठक में नारेबाजी करते किसान नेता।
फोटो : हरिभूमि

गारंटीकृत खरीद सुनिश्चित करने, बिजली संशोधन बिल रद्द करने, गन्ने का भाव 700 रुपये प्रति क्विंटल करने तथा 15 सितंबर से धान की सरकारी खरीद शुरू करने की मांग जोरदार ढंग से उठाई गई। वक्ताओं ने खाद, यूरिया और डीएपी की भारी कमी पर चिंता जताते हुए कहा कि किसानों को खेती के सजीन में आवश्यक खाद उपलब्ध नहीं हो रही है। वहीं नहरी पानी की किल्लत का मुद्दा भी बैठक में

प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में सतबीर लोरा, रामबीर ढांडा, डॉ. रमेश चाहर, बिजेंद्र बेनीवाल, टेकचंद बागड़ी, हवाईसिंह झाड़ाड़िया, चंद्रभान काजला, सूरजमल भैरवा, उपेंद्र डाया, उमैन्द बैडवाल, संजय हुड्डा, दलबीर हुड्डा, इंद्राज चुंचवाल, चरणसिंह बूरा, मास्टर विनोद नोयल, ईश्वर सुंडावास, रविंद्र पूनिया और आनंद बंसल सहित अन्य पदाधिकारी व किसान उपस्थित रहे।

जैनिएर, नताशा और रिशिता की टीम ने मारी बाजी

राजकीय महिला कॉलेज में बिजनेस आइडिया प्रेजेंटेशन र्वर्षा हरिभूमि न्यूज़ ►►हिसार

राजकीय महिला महाविद्यालय में 'उद्यमिता पखवाड़ा' के समापन अवसर पर एक दिवसीय 'बिजनेस आइडिया प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, वाणिज्य विभाग और आईआईसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता के शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य सतीश कुमार ने किया। प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों की 15 छात्राओं ने भाग लिया और 'मिट्टी मित्र' टैप, ऑनलाइन स्ट्रीट फूड सेवा, वीन पैकेजिंग, कूल रूफ सेंसर और रेजिन आर्ट उत्पाद जैसे कई अभिनव एवं व्यावहारिक विचार



हिसार। छात्राओं को सम्मानित करते प्राचार्य सतीश कुमार। फोटो : हरिभूमि

प्रस्तुत किए। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच बीकॉम प्रथम वर्ष की छात्राओं जैनिएर, नताशा और रिशिता की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि बीएससी तृतीय वर्ष की छात्राएं खुशी वर्मा, मीनू व पूजा दूसरे स्थान पर रहीं तथा बीएससी द्वितीय वर्ष (मौलिक विज्ञान) की छात्रा जागृति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. वसुंधरा भी मौजूद थीं।



हिसार। प्रदेशाध्यक्ष बनाने पर सतबीर वर्मा का अभिनंदन के करती भाईवारा संघर्ष समिति।

नामदेव सभा के प्रदेशाध्यक्ष बनने पर पूर्व चेयरमैन वर्मा का सम्मान

हिसार। भाईवारा संघर्ष समिति द्वारा नामदेव सभा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा का सम्मान समारोह आयोजित कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने फूलमालाओं से सम्मानित करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाईवारा संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुन्दर सेनी ने कहा कि सतबीर वर्मा एक बेहद सामाजिक, सत्य, सहज एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी हैं। वे लंबे समय से समाज के लोगों के साथ निरंतर जुड़े हुए हैं तथा सामाजिक भाईवारे, आपसी सद्भाव और जनसेवा के कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। समिति की कार्यकारिणी के सदस्य ध्याम जांगड़ा एडवोकेट, दलवीर पंजाल, आनंद बैरावाल, मास्टर रमेश सेनी, सुशील नायक, रमेश शर्मा, सतीश चावला, रोशन सेनी, बिट्टू केदार, मोनू अग्रवाल, रमेश नायक, दीपक महलोत्रा, कैलाश वर्मा, मनोज सोनी, विनोद मेरा, सुनील चक्की वाले, आशीष सेनी, इरफान खान एवं जयवीन सेनी आदि मौजूद थे।



हिसार। कोच रिकू रानी के साथ एथलीट रवि।

यूथ नेशनल एथलेटिक्स में रवि ने जीता कांस्य शॉटपुट में भी छाया

हिसार। विद्युत नगर खेल गाउंड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा खिलाड़ियों ने यूथ नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा का नाम रोशन किया। युवा एथलीट रवि ने लुधियाना में आयोजित 21वीं यूथ नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए शॉटपुट स्पर्धा में 18.58 मीटर के बेहतरीन थो के साथ तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। रवि की इस उपलब्धि

कोच रिकू रानी के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

18.58 मीटर थो के साथ हासिल किया तीसरा स्थान

इससे पहले रवि यूथ एथियन गेम्स-2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए चौथा स्थान हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा वह खेलो इंडिया में भी हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। यूथ नेशनल में रवि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके प्रदर्शन से खेल प्रेमियों और प्रशिक्षकों में खुशी की लहर है। रवि की इस उपलब्धि का श्रेय उनके निरंतर अभ्यास और कोच रिकू रानी के मार्गदर्शन को दिया जा रहा है।



हिसार, भिवानी, फतेहाबाद व सिरसा को सूखाग्रस्त घोषित करे सरकार : किसान सभा

हिसार। अखिल भारतीय किसान सभा जिला कमिटी की बैठक किसान सभा कार्यालय में कपूर सिंह बंगाला की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन सरस्व सिंह पूनिया ने किया। बैठक में किसान सभा के राज्य महासचिव सुमित दयाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य महासचिव सुमित दयाल ने कहा कि इस बार हिसार, भिवानी, फतेहाबाद, सिरसा और आगरास के जिलों में बारिश न होने के कारण बाजरा, मूंग, कपास, ग्वार और धान की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने मांग की कि बारिश की कमी से प्रभावित इन जिलों को तुरंत सूखाग्रस्त घोषित किया जाए और किसानों को फसलों का उचित मुआवजा दिया जाए।



रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्कॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंटेस्टिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

किसी जजमेंट के सुनते हैं। सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन कंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरोन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ओ' (विरम्य) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ओ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के करें पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अभिगडाल' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सर्वे बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रोशनी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्कॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकु' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपकी बात बिना



‘आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।’ और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के ‘अभिगडाल’ (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सर्वे बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से ‘बात’ करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी माहसू बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि इनर चाइल्ड हीलिंग मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अच्छा तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हल्का करता है।



कविता पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच
कितने दिशों के बीच
कितने थपड़ों के बीच
कितने जालों के बीच
गैना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी घुणा के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच
कितनी कुंसांग के बीच
कितनी लात्सों के बीच
गैना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने शत्रुओं के बीच
कितने मित्रों के बीच
कितने भ्रमों के बीच
कितने सपनों के बीच
गैना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

पुस्तक चर्चा / अनुराग मनींद्र

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक ‘गजलगोई : ओम निश्चल’ प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शंखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आनुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्धृत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील,



साहित्य के प्रति समर्पित, जिंदादिल-गरिमापूर्ण व्यक्तित्व झलकता है। वे लिखते हैं, ‘वो एक व्यक्ति नहीं प्रवाह का नाम है। ...ओम निश्चल में एक इनबिल्ट डिस्प्लिन है। वो जो भी काम करते हैं, संपूर्णता और एकाग्रता के साथ करते हैं।’ डॉ. हरेराम पाठक ओम निश्चल की गजलों को समय से काफी आगे मानते हैं, वे लिखते हैं, ‘गजल में लाक्षणिक प्रयोग और व्यंग्यार्थ का अच्छा प्रयोग होते देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ओम निश्चल की गजलें समसामयिकता के दायरे से बहुत आगे निकल चुकी हैं।’

डॉ. भावना शंखर, ओम निश्चल के काव्य संग्रह ‘मेरा दुख सिरहाने रख दो’ की चर्चा करते हुए लिखती हैं, ‘किताब से गुजरते हुए गजल और गीतिका की गंगा-जमुनी धार में डूबते-उतराते पाठक को दुष्यंत कुमार से लेकर अदम गोंडवी तक कितने ही गजलकारों की शायरी का आस्वाद मिलता है।’

संपादक विज्ञान भूषण के लेख ‘गजलगोई का नया मुहावरा गढ़ती गजलें’ में ओम निश्चल की गजलों के सौंदर्य, संवेदना, सामाजिक सरोकार, भाषिक प्रयोग, शिल्प तथा वैचारिक गहराई का सूक्ष्म, बहुआयामी एवं सम्यक विश्लेषण है। *

पुस्तक: गजलगोई : ओम निश्चल (आलोचना), संपादक: विज्ञान भूषण, मूल्य: 449 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में मटकने वाले किसी आवारा कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। ‘ह्यूमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट’ के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का स्तर तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को घुटकियों में गायब कर देती हैं। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो विश्रुतता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।



खुद से भी कीजिए बातें: आइने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, ‘तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?’ ‘मिरर मेंडिटेशन’ पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आइने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आइने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलिए: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसें को आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसें को जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वालेंस जे. निकोलस ने अपनी किताब ‘ब्लू माइंड’ में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटेक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *



मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ

अंजु जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को ‘डिजिटल एम्नेशिया’ या ‘गूगल इफेक्ट’ कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग

को धार देना, इसे एक्टिव रखना बंद कर देंगे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां मानसिक रूप से पूरी तरह इन मशीनों की गुलाम बन जाएंगी।

क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एम्नेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इकट्ठा करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं। बारिश की बूंदों से मिलिए: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसें को आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसें को जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वालेंस जे. निकोलस ने अपनी किताब ‘ब्लू माइंड’ में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटेक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अविभाज्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी याददाश्त को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे बदलने के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, ‘ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!’ नवोदित बोला, ‘दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।’

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, ‘तो क्या कहूँ? तुम्हें राजा बेटा न कहूँ, तो क्या अपना बाप कहूँ? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूंजी बटोर पाए थे, तुम ‘पहले पाओ, पहले खाओ’ की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिढी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।’

नवोदित भ्रष्टाचारी निलंज मुस्कान के साथ बोला, ‘दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझ एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की ओकांत नहीं है।’ वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, ‘शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डबल डुबकियां लगाएंगे।’

अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। *

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा



एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया।

प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद

समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।’ यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुकान तैर गई। *

अभय मुस्कुराया, ‘सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।’ यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुकान तैर गई। *

